भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2813

गुरुवार, 19 **दिसम्बर, 2024/28 अग्रहायण**, **1946 (शक)**

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना

2813. श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई:

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) का विभिन्न राज्यों में रोजगार दरों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) नवम्बर, 2024 तक इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या को दर्शाने वाले राज्य-वार और वर्ष-वार आंकड़े क्या है;

(ग) इस योजना के कारण किन-किन विशिष्ट क्षेत्रों में सर्वाधिक रोजगार वृद्धि हुई है; और

(घ) कम लाभार्थियों वाले राज्यों में एबीआरवाई की प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं**?**

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (घ) आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई), नए रोजगार के सृजन तथा कोविड-19 महामारी के दौरान समाप्त हुए रोजगारों के पुनः स्थापन हेतु नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 01 अक्तूबर, 2020 से प्रारंभ की गई थी। लाभार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2022 थी। इस योजना के तहत, दिनांक 31.03.2022 तक पंजीकृत लाभार्थियों को पंजीकरण की तारीख से 2 साल तक लाभ मिलता रहा। दिनांक 31.03.2024 तक, देश में कुल 60.49 लाख कर्मचारियों ने इस योजना का लाभ उठाया है।

31 मार्च, 2024 तक अर्थात योजना के बंद होने तक योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या दर्शाने वाला राज्य-वार और वर्षवार डेटा अनुबंध में दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत विशेषज्ञ सेवाएं, वस्त्र, व्यापार-वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, इंजीनियर-इंजीनियिरिंग ठेकेदार और गारमेंट मेंकिंग क्षेत्रों ने सर्वाधिक लाभार्थियों की संख्या दर्ज की है।

****

अनुबंध

राज्य सभा के दिनांक 19.12.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2813 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

31 मार्च, 2024 तक अर्थात योजना के बंद होने तक योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या दर्शाने वाला राज्य-वार और वर्षवार डेटा

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार	2020-21 से 2023-24	
	लाभार्थी प्रतिष्ठानों की संख्या	लाभार्थी कर्मचारियों की संख्या
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	36	479
आंध्र प्रदेश	4041	166930
अरुणाचल प्रदेश	17	514
असम	671	19918
बिहार	1215	28576
चंडीगढ़	340	13474
छत्तीसगढ	2952	85105
दिल्ली	3140	227076
गोवा	542	20948
गुजरात	14620	591126
हरियाणा	7644	400760
हिमाचल प्रदेश	2164	83382
जम्मू और कश्मीर	891	19384
झारखंड	2248	62776
कर्नाटक	11004	485462
केरल	2730	96343
लद्दाख	17	190
लक्षदवीप	1	9
मध्य प्रदेश	6258	205901
महाराष्ट्र	22449	978836
मणिपुर	59	1698
मेघालय	39	1224
मिजोरम	15	377
नागालैंड	16	226
ओडिशा	4196	89360
पुदुचेरी	319	14746
पंजाब	7794	222363
राजस्थान	11483	326998
सिक्किम	114	4008
तमिलनाडु	16450	804738
तेलंगाना	5394	283362
दादरा और नगर हवेली तथा दमन	959	52911
त्रिपुरा	150	5440
उत्तर प्रदेश	12413	433724
उत्तराखंड	2426	93521
पश्चिम बंगाल	7710	227402
सकल योग	**152517**	**6049287**

स्रोत: ईपीएफओ